[न रिश्वत लेंगे, न रिश्वत देंगे] मुंबई, बुधवार, 03 दिसंबर 2025 I मूल्य 0.00, कुल पृष्ठ 4 [वर्ष: 12, डिजिटल अंक: 96, प्रधान संपादक : पवन जैन पदमावत] +91-9594542679 www.padmavatmedia.in padmavatmedia@gmail.com

दैनिक हिन्दी राष्ट्रीय डिजिटल समाचार पत्र

पदमावत मीडिया

Reg. No. MH180326353

अनमोल वचन

ईश्वर ने संसार को कर्म प्रधान बना रखा है, जो मनुष्य जैसा कर्म करता है उसको, वैसा ही फल प्राप्त होता है।

-तुलसीदास

169.47 करोड़ की जब्त ... 03

डिजिटल संस्करण महाराष्ट्र व राजस्थान से प्रकाशित

04 सेमाल पंचायत के मगरा थोरी ...

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

सुझाव, शिकायत और समाचारों का स्वागत समाचार पत्र में प्रकाशित करने के लिए सप्रमाण समाचारों का स्वागत है। आप सुझाव या शिकायत भी भेज सकते हैं। संपर्क/व्हाट्सएप ✆95945-42679 विज्ञापन देने या अखबार प्राप्त करने के लिए संपर्क

✆95945-42679

प्रधान सम्पादक

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का नई दिल्ली दौरा

प्रधानमंत्री सहित कई केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात राजस्थान के विकास रोडमैप पर हुई व्यापक चर्चा

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

नई दिल्ली/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को नई दिल्ली प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और विभिन्न केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात कर राजस्थान के विकास, सुशासन और जनकल्याण से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भेंट कर राज्य में संचालित प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं, डबल इंजन सरकार की उपलब्धियों तथा आगामी विकास रोडमैप की जानकारी साझा की। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में राजस्थान निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता रहेगा और विकसित भारत के निर्माण में योगदान देता रहेगा।

मुख्यमंत्री ने इसके बाद संसद भवन पहुंचकर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ से भेंट की। इस दौरान राज्य के चहुंमुखी विकास, केंद्रझराज्य समन्वय, बुनियादी ढाँचों के सुदृढ़ीकरण और विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर सार्थक चर्चा हुई। नई दिल्ली प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की। इस दौरान राज्य में सुशासन को मजबूत करने, कानून-व्यवस्था, सहकारिता क्षेत्र में सुधार और चल रहे नवाचारों पर विस्तृत जानकारी साझा की गई। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री और रसायन एवं उर्वरक मंत्री जे.पी. नड्डा से भी भेंट कर राजस्थान में चिकित्सा सेवाओं के आधुनिकीकरण, हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर की मजबूती और जनस्वास्थ्य से संबंधित योजनाओं की प्रगति पर संवाद किया। मुख्यमंत्री ने नड्डा को जन्मदिवस की शुभकामनाएँ भी दीं।

इसके साथ मुख्यमंत्री ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी मुलाकात की। इस दौरान राज्य में वित्तीय प्रबंधन, जीएसटी सुधारों से आमजन को मिले लाभ और राज्य की वित्तीय आवश्यकताओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री का यह दौरा केंद्र-राज्य समन्वय, विकास योजनाओं की गति बढ़ाने और राजस्थान में सुशासन को और सुदृढ़ करने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

खबर संक्षेप

कायकिंग-कैनाईंग स्पर्धा शुरू,देश भर आए खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। उदयपुर की शान और विश्व पर्यटन मानचित्र पर विशिष्ट पहचान रखने वाली विश्व प्रसिद्ध फतहसागर झील मंगलवार को उस वक्त खेलों के साहसिक रोमांच की साक्षी बनी, जब खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 के तहत कायकिंग एवं कैनाईंग प्रतियोगिता प्रारंभ हुई। अरावली की गोद में स्थित फतहसागर की लहरों पर जब रंग-बिरंगी कायक और केनाईग उतरीं, तो नजारों ने आयोजन को अंतरराष्ट्रीय स्तर की गरिमा प्रदान कर दी। जिला खेल अधिकारी डॉ महेश पालीवाल ने बताया कि प्रतियोगिता के पहले दिन 10 मुकाबले हुए। इसमें देश भर से आए खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया। संभागीय आयुक्त सुश्री प्रज्ञा केवलरमानी, युडीए आयुक्त एवं आयोजन के नोडल अधिकारी राहुल जैन एवं बड़गांव उपखण्ड अधिकारी लतिका पालीवाल सहित अतिथियों ने विजेता खिलाड़ियों को पारितोषिक एवं मैडल प्रदान कर प्रोत्साहित किया। राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के खेल प्रबंधक नरेन्द्र भूरिया, राजस्थान कायकिंग एवं केनाईग संघ के अध्यक्ष भगवान वैष्णव, सचिव दिलीप सिंह चौहान, राजसमंद जिला खेल अधिकारी धरमदेव सिंह सहित करतार सिंह, अजय अग्रवाल, मुकेश शर्मा एवं परिषद के प्रशिक्षक तथा बड़ी संख्या में खेलप्रेमी उपस्थित रहे।

यह रहे परिणाम

कायकिंग एवं केनाईगिंग (1000 मीटर) पुरूष वर्ग के तहत कायकिंग-1 में मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी के वनेश शर्मा को स्वर्ण पदक, युनिवर्सिटी ऑफ केरल के अलान रेजी को रजत पदक तथा लवली प्रोफेशनल युनिवर्सिटी पंजाब के विशाल गोस्वामी को कांस्य पदक मिला। केनाईग-1 में यूनिवर्सिटी ऑफ केरल के सवीओ को स्वर्ण, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ के विशु कुमार को रजत तथा लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, पंजाब के राजीव कुमार को कांस्य मिला। कायकिंग-2 में गुरूनानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर के मयंक शर्मा व सचिन को स्वर्ण, चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के साहिल देसवाल व देव चौधरी को रजत तथा गुरु काशी यूनिवर्सिटी के सौरभ कुमार व सुमीत धाबास को कांस्य पदक मिला। केनाईग-2 में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के लीसराम पिरमबम व बोरीस सिंह को स्वर्ण, यूनिवर्सिटी ऑफ केरल के हर्ष शर्मा व प्रिंस को रजत तथा यूनिवर्सिटी ऑफ केरल के आदर्श गोस्वामी व सविओ जोशी को कांस्य पदक मिला। इसी प्रकार महिला वर्ग कायकिंग-1 में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी की पूजा ने स्वर्ण, बरकतुल्ला यूनिवर्सिटी की निधि ने रजत व पंजाब यूनिवर्सिटी की कुलसुम ने कांस्य पदक जीता। केनाईग-1 में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी की मोरंथाम सोफा देवी को स्वर्ण, पंजाब यूनिवर्सिटी की निधि को रजत तथा शिवाजी यूनिवर्सिटी, कोल्हापुर की प्रिया मारुति चावन को कांस्य पदक मिला। कायकिंग-2 में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी की कानसेम येफाटोम्बी देवी व आंचल कचरु सहारे को स्वर्ण, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ की नंदनी व अल्पना साहनी को रजत व सलोनी कुमारी व मीनाक्षी को कांस्य को पदक मिला।

राजस्थान लोकभवन में मनाया गया उत्तराखंड, झारखंड, असम और नागालैंड का स्थापना दिवस; राज्यपाल ने दी शुभकामनाएं

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

जयपुर। लोकभवन में मंगलवार को उत्तराखंड, झारखंड, असम और नागालैंड का स्थापना दिवस समारोह गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने इन राज्यों के उपस्थित निवासियों से संवाद कर उन्हें स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई और मंगलकामनाएं दीं।

राज्यपाल बागडे ने कहा कि राजस्थान की धरती सहिष्णुता, आत्मीयता और आध्यात्मिक परम्पराओं से परिपूर्ण है, इसलिए यहां सभी राज्यों के लोग सहज रूप से अपनापन महसूस करते हैं। उन्होंने कहा कि लोकभवन में विभिन्न राज्यों के स्थापना दिवस मनाने का उद्देश्य ह्लएक भारत श्रेष्ठ भारतह्व की भावना को सुदृढ़ करना है, ताकि विभिन्न संस्कृतियों, भाषाओं और परम्पराओं के बीच एकता का संदेश स्थापित हो सके।

संवाद के दौरान राज्यपाल ने चारों राज्यों की विशेषताओं, सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रनिर्माण में उनके योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड को देवभूमि का दर्जा प्राप्त है और यहां से ही आदि शंकराचार्य ने भारत में तीर्थ परम्परा का विस्तार किया। झारखंड की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि यह प्रदेश खनिज संपदा से समृद्ध है और स्वतंत्रता संग्राम में बिरसा मुंडा जैसे वीरों की अद्भुत भूमिका आज भी देश को प्रेरित करती है। असम को पूर्वोत्तर का प्रवेश द्वार बताते हुए उन्होंने ब्रह्मपुत्र, कामाख्या शक्तिपीठ तथा प्रदेश की सांस्कृतिक समृद्धि का उल्लेख किया। नागालैंड के संदर्भ में उन्होंने वहां की जनजातीय परम्पराओं, प्रकृति से जुड़ी जीवनशैली और अनूठी सांस्कृतिक पहचान पर प्रकाश डाला।

राज्यपाल ने उपस्थित नागरिकों से यह भी आग्रह किया कि वे अपने-अपने राज्यों के विकास के साथ ही राजस्थान की प्रगति में भी सक्रिय भागीदारी निभाएं, जिससे राष्ट्रीय एकता और सौहार्द की भावना और मजबूत हो सके।

कार्यक्रम में राज्यपाल सचिव डॉ. पृथ्वी सहित विभिन्न राज्यों के निवासी, अधिकारी और आमजन उपस्थित रहे।

गृह रक्षा स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में हेलमेट जागरूकता रैली

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। आगामी 6 दिसम्बर को मनाए जाने वाले गृह रक्षा स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में उदयपुर होमगार्ड विभाग की ओर से विभिन्न आयोजन किए जा रहे हैं। इसी क्रम में मंगलवार को हेलमेट जागरूकता रैली निकाली गई। समादेष्टा कमांडेंट प्रणय जसोरिया के निर्देशन एवं कमांडर के मार्गदर्शन में आयोजित इस रैली में बड़ी संख्या में होमगार्ड जवानों ने भाग लिया। इस अवसर पर मंगला राम के नेतृत्व में बाइक रैली निकाली गई, जिसमें मोटरसाइकिल सवार होमगार्ड के जवानों ने हेलमेट पहनने और यातायात नियमों का पालन करने का संदेश दिया गया। रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होकर निकली और लोगों को सड़क सुरक्षा, जीवन सुरक्षा और यातायात अनुशासन का पालन कराने हेतु प्रेरित किया गया। रैली में प्लाटून कमांडर मंगलाराम, सुरेन्द्र सिंह, कानि. नरेंद्र सिंह, लक्ष्मी, बाल्या सोदा, फूलशंकर, महेश, कृष्णपाल सिंह, मोहित सहित कई अन्य होमगार्ड सदस्य मौजूद रहे। प्लाटून कमांडर मंगलाराम ने बताया कि होमगार्ड देश की एक महत्वपूर्ण सुरक्षा शाखा है, जो पुलिस प्रशासन, आपदा प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण, चुनाव ड्यूटी, वीआईपी सुरक्षा से लेकर आपात स्थितियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कोविड-19 महामारी से लेकर प्राकृतिक आपदाओं तक, होमगार्ड सदैव राष्ट्र और नागरिकों की सेवा में अग्रणी रहे हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 5 दिसंबर को करेंगे फिरोजपुर फीडर पुनर्निर्माण का शिलान्यास

647.62 करोड़ रुपये की परियोजना से गंगनहर होगी सुदृढ़, 3.14 लाख हैक्टेयर क्षेत्र के काश्तकारों को मिलेगा स्थायी लाभ

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

जयपुर । प्रदेश में सिंचाई व्यवस्था को आधुनिक और सक्षम बनाने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा निरंतर प्रयासरत हैं। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री 5 दिसंबर को श्रीगंगानगर जिले में फिरोजपुर फीडर के पुनर्निर्माण कार्य का शिलान्यास करेंगे। यह परियोजना नहरी तंत्र को मजबूती प्रदान करेगी और गंगनहर में सालभर पानी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित होगी, जिससे किसानों को रबी और खरीफ दोनों मौसम में सिंचाई हेतु लगातार पानी मिल सकेगा।

प्रदेश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण इस परियोजना में आरडी 0 से 168230 तक सीसी लाइनिंग, दो हैड रेगुलेटरों का पुनर्निर्माण, एक नए हैड रेगुलेटर का निर्माण, एक क्रॉस रेगुलेटर का पुनर्निर्माण, 19 वीआरबी/डीआरबी का पुनर्निर्माण तथा तीन रेलवे क्रॉसिंग ब्रिजों का पुनर्निर्माण किया जाएगा। इन कार्यों से हरिके बैराज में उपलब्ध अतिरिक्त पानी को प्रभावी रूप से फिरोजपुर फीडर के माध्यम से गंगनहर तक पहुंचाया जा सकेगा। परियोजना पूरी होने पर गंगनहर के लगभग 3.14 लाख हैक्टेयर क्षेत्र को लाभ होगा और कृषि उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। मुख्यमंत्री की पहल पर बजट वर्ष 2024-25 में इस परियोजना के लिए 200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था। इसके बाद केंद्रीय जल आयोग ने परियोजना की डीपीआर को स्वीकृति दी। कुल लागत 647.62 करोड़ रुपये है, जिसमें पंजाब की हिस्सेदारी 379.12 करोड़ रुपये तथा राजस्थान की हिस्सेदारी 268.50 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है।

विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि 5 दिसंबर 1925 को महाराजा गंगा सिंह ने ऐतिहासिक गंगनहर का शिलान्यास किया था। वर्ष 2025 में इसके 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा उसी दिन फिरोजपुर फीडर के पुनर्निर्माण का शिलान्यास करेंगे, जिससे इस ऐतिहासिक परियोजना को पुनः सशक्त रूप से भविष्य के लिए तैयार किया जा सके।

यह पुनर्निर्माण कार्य प्रदेश के नहरी तंत्र में क्षमता वृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेगा और लाखों किसानों की आजीविका को स्थायी सुरक्षा प्रदान करेगा।

राजभवन का नाम अब लोकभवन: राज्यपाल बागडे की पहल पर अधिसूचना जारी

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

जयपुर । राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे द्वारा निर्देशित महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत अब तक राजभवन के नाम से जाना जाने वाला राज्यपाल भवन अब लोकभवन के नाम से जाना जाएगा। इस संबंध में आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी गई है, जो एक दिसंबर 2025 से प्रभावी मानी जाएगी। राज्यपाल बागडे ने कहा कि यह परिवर्तन औपनिवेशिक मानसिकता से निकलकर लोकतांत्रिक भारतीय भावना को अपनाने की दिशा में एक बड़ा और सार्थक कदम है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राष्ट्र है और हमारे संविधान की उद्देशिका हम भारत के लोग से आरंभ होती है। इसलिए लोकतंत्र में लोक को सर्वोपरि मानते हुए राज्यपाल के कार्यस्थल को लोकभवन नाम देना समयानुकूल और संकल्पनात्मक रूप से अत्यंत उचित है। उन्होंने कहा कि लोकभवन नाम सिर्फ एक बदलाव नहीं, बल्कि जनता की भावनाओं, लोक आकांक्षाओं और भारतीय लोकतांत्रिक संस्कृति का सशक्त प्रतीक है। राज्यपाल बागडे ने यह भी उल्लेख किया कि राज शब्द औपनिवेशिक शासन की याद दिलाता है, इसलिए केंद्र सरकार की मूल भावना के अनुरूप यह परिवर्तन आवश्यक था।

इस ऐतिहासिक निर्णय को प्रदेश में शासन-प्रशासन की लोक-केंद्रित सोच की ओर एक सकारात्मक कदम के रूप में देखा जा रहा है।

संपर्क पोर्टल के विभिन्न पैरामीटर्स को ध्यान में रखते हुए करें परिवादों का समयबद्ध निस्तारण रू जिला कलेक्टर

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। जिला कलेक्टर नमित मेहता की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला कलेक्ट्रेट मिनी सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारियों को संबोधित करते हुए जिला कलेक्टर मेहता ने कहा कि संपर्क पोर्टल पर प्राप्त होने वाली शिकायतों को लेकर राज्य सरकार बेहद गंभीर और संवेदनशील है, ऐसे में सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी प्राप्त होने वाली शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें, साथ ही संपर्क पोर्टल पर औसत निस्तारण समय समेत विभिन्न पैरामीटर्स को ध्यान में रखते हुए परिवादों का निस्तारण करें जिससे पोर्टल पर जिले की रैंकिंग अग्रणी रहे।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राजस्व संबंधित प्रकरण भी समयबद्ध रूप से निस्तारित किये जाए, साथ ही विभिन्न विभागों के डीएमएफटी मद के तहत स्वीकृत हुए कार्यों की समय पर तकनीकी स्वीकृति भिजवाए ताकि वित्तीय स्वीकृति की कार्यवाही शीघ्र पूर्ण की जा सके। उन्होंने आगामी दिनों में वर्तमान राज्य सरकार के 2 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला कलेक्टर ने विभाग वार प्रगति एवं गतिविधियों का संबंधित विभागों के अधिकारियों से फीडबैक लिया। उन्होंने कहा कि मार्च माह से पूर्व विभागों के तय वार्षिक लक्ष्य प्राप्त हो जाने चाहिए। उन्होंने विभिन्न विभागों की बजट घोषणाओं की प्रगति भी जानी। इस दौरान बैठक में एडीएम प्रशासन दीपेंद्र सिंह राठौर, एडीएम शहर जितेंद्र ओझा, यूडीए सचिव हेमेंद्र नागर सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

मैथुड़ी में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव 3 मई से

प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर आवश्यक बैठक संपन्न

गींगला @ पदमावत मीडिया। निकटवर्ती गांव मैथुड़ी में दिगंबर जैन समाज की आवश्यक बैठक आयोजित हुई, जिसमें

सर्वसम्मति से नवनिर्मित चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के भव्य आयोजन की रूपरेखा तय की गई। प्रवक्ता अनिल स्वर्णकार ने बताया कि मंगलवार दोपहर आयोजित बैठक में विस्तृत विचार-विमर्श के बाद निर्णय लिया गया कि पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव 3 मई 2026 से 8 मई 2026 तक वात्सल्य निधि आचार्य कल्प पुण्यसागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में तथा प्रतिष्ठाचार्य दिनेश जुसावत अदवास (मुंबई) के निर्देशन में संपन्न होगा। बैठक में हीरालाल मालवी, कालूलाल भोजावत, शांतिलाल बड़ोदिया, शांतिलाल गणावत, अशोक कोठारी, झमकलाल सोमावत, सोहनलाल भामावत, बगदीलाल मालवी, राजमल खरकिया, मोहनलाल मालवी, ईश्वरलाल बंबोरिया, रोशन केलावत, रमेश बोहरा, कन्हैयालाल गणावत, भेरूलाल पंचोली, मनोज पंचोली, गेहरिलाल गणावत, भेरूलाल मालवी, राजमल गणावत सहित मैथुड़ी और गींगला जैन समाज के अनेक श्रावक उपस्थित रहे। प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के अध्यक्ष शांतिलाल गणावत ने बताया कि छह दिवसीय आयोजन में 3 मई को पूर्व गर्भकल्याणक, 4 मई को उत्तर गर्भकल्याणक, 5 मई को जन्म कल्याणक, 6 मई को तप कल्याणक, 7 मई को केवलज्ञान कल्याणक और 8 मई को मोक्ष कल्याणक मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि आयोजन को लेकर समाज में भारी उत्साह है और यह पहली बार इतने वृहद स्तर पर आयोजित हो रहा है। बैठक के दौरान दानदाताओं ने भी उत्साहपूर्वक प्रतिमाओं के दान की घोषणाएँ कीं। नवनिर्मित मंदिर में भगवान चंद्रप्रभु की प्रतिमा मैथुड़ी दिगंबर जैन समाज द्वारा स्थापित की जाएगी, जबकि भगवान आदिनाथ, भगवान महावीर, भगवान पार्श्वनाथ और भगवान शांतिनाथ की प्रतिमाओं के लिए रोशनलाल केलावत, ईश्वरलाल बंबोरिया, गिरधारीलाल नाथूलाल मालवी और शांतिलाल गणावत ने दान घोषणा की है। समाजजन का कहना है कि पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव पहली बार इतने बड़े पैमाने पर हो रहा है, जिससे संपूर्ण जैन समुदाय में विशेष उत्साह और आध्यात्मिक उमंग का वातावरण बना हुआ है।

प्रदेश में मांग अनुसार यूरिया की आपूर्ति जारी

दिसंबर के पहले दो दिनों में पहुँचा 30,256 एमटी

जयापुर @ पदमावत मीडिया। राज्य सरकार द्वारा किसानों को मांग के अनुरूप यूरिया उपलब्ध करवाने के लिए व्यापक स्तर पर सतत प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश में रबी

सीजन के दौरान उर्वरक की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए दिसंबर के प्रथम सप्ताह में कुल 40 रैक यूरिया की आपूर्ति हेतु भारत सरकार से आग्रह किया गया था। इसके तहत 1 और 2 दिसंबर को 30 हजार 256 मैट्रिक टन यूरिया राज्य में पहुँच चुका है। वहीं वर्तमान में 13 रैक परिवहन में है, जिनसे आगामी दो से तीन दिनों में 34 हजार मैट्रिक टन यूरिया की अतिरिक्त आपूर्ति होने की संभावना है। आपूर्ति की यह खेप कोटा, बूंदी, झालावाड़, बारां, सलूंबर, उदयपुर, प्रतापगढ़, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, अजमेर, टोंक, जयपुर, भरतपुर, धौलपुर, अलवर, कोटपुतली, खैरथलझतिजारा, करौली, सीकर, चुरू, झुंझुनूं, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, राजसमंद और सिरोही सहित विभिन्न जिलों में भेजी जाएगी। राज्य सरकार ने दिसंबर माह के प्रथम सप्ताह में कुल 1 लाख 8 हजार मैट्रिक टन यूरिया किसानों तक पहुँचाने का लक्ष्य रखा है, जिसके लिए आपूर्ति लगातार जारी है। जिन क्षेत्रों में यूरिया का स्टॉक कम पाया जा रहा है, वहाँ ब्लॉक स्तर पर सतत मॉनिटरिंग करते हुए आवश्यकतानुसार तुरंत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। प्रदेश में प्रतिदिन औसतन छह रैक यूरिया आने की संभावना बनी हुई है, साथ ही लगभग 2 हजार 500 मैट्रिक टन यूरिया प्रतिदिन सड़क मार्ग से भी अधिक मांग वाले क्षेत्रों में भेजा जा रहा है। सरकार का कहना है कि किसानों को यूरिया उपलब्धता में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी और रबी फसलों की आवश्यकता के अनुसार पर्याप्त मात्रा में उर्वरक समय पर उपलब्ध कराया जाएगा।

शिक्षकों से शैक्षणिक कार्य के साथ BLO का कार्य करवाना कितना उचित

डॉ राकेश वशिष्ठ
वरिष्ठ पत्रकार एवं संपादकीय लेखक

भारतीय चुनाव आयोग द्वारा SIR प्रक्रिया पूरे भारत में लागू है और इस कार्य में शिक्षा विभाग के शिक्षक उलझे हुए है छात्र छात्राओं की पढ़ाई ठप है और परीक्षाएं निकट हैं, ऐसे में शैक्षणिक कार्य प्रभावित हो रहा है। ऐसे में सवाल यह है कि क्या विद्यार्थियों के भविष्य और शिक्षा को ताक पर रखकर शिक्षकों से क्या इछड कार्य करवाया जाना कहां तक उचित है? शिक्षकों को शिक्षण व्यवस्था के अतिरिक्त कार्यभार सौंपने के कारण शिक्षण की गुणवत्ता में तो कमी आई ही है, साथ ही शिक्षकों का मनोबल भी टूटने लगा है। राज्य सरकार ने शिक्षकों को अन्य कार्यों में शामिल करने के बाद उन्हें कक्षा व बच्चों की पढ़ाई के अतिरिक्त आंकड़े जुटाने, दूसरे विभागों के कार्य करने में अधिक समय देना पड़ता है। विभिन्न विभागों के कई प्रकार के सर्वे, जनगणना, वोटर लिस्ट सहित अन्य कई कार्यों को लेकर बीएलओ के रूप में 3500 शिक्षकों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस वजह से जिस शिक्षक के पास बीएलओ का चार्ज है, उसके पास इतने अतिरिक्त कार्य होते है कि वह अपने मूल काम की तरफ ध्यान ही नहीं दे पाता है।

क्या है SIR विशेष गहन पुनरीक्षण यानी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) एक प्रक्रिया है चुनाव आयोग इसके जरिए मतदाता सूची को अपडेट करता है। आपको मालूम हो कि कई बार किसी मतदाता का निधन हो चुका होता है लेकिन उसका नाम वोटल लिस्ट में दर्ज रहता है कई बार किसी व्यक्ति की उम्र 18 वर्ष यानी वोट देने लायक हो जाती है लेकिन उसका नाम वोटर लिस्ट में होता ही नहीं है ऐसी स्थिति में एसआईआर के जरिए मतदाता सूची से नाम हटाए या ऐड किए जाते हैं। कौन है BLO - बूथ लेवल ऑफिसर यानी बीएलओ के लिए कोई अलग से बहाली नहीं होती है बल्कि इछड की जिम्मेदारी सरकारी स्कूलों के शिक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, पटवारी/लेखपाल/अमीन, पंचायत सचिव/ग्राम सेवक, बिजली बिल रीडर, पोस्टमैन और स्वास्थ्य कार्यकर्ता (MPW/ANM आदि) को ही दी जाती है। अभी एसआईआर के जरिए फर्जी मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट हटाने और सही मतदाताओं के नाम जोड़ने का काम किया जा रहा है इस कार्य में बीएलओ को लगाया गया है एक तरह से बीएलओ सबसे निचले स्तर का चुनाव अधिकारी होता है। BLO पर क्या वाकई दबाव है? हाल के दिनों में कुछ राज्यों में बूथ लेवल ऑफिसर्स (BLO) के जान देने के मामलों ने चुनावी व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। आरोप लगाया जा रहा है कि बीएलओ पर इतना काम थोप दिया जाता है कि मानसिक दबाव बढ़ जाता है। लेकिन जब इस काम का वास्तविक गणित समझते हैं, तो तस्वीर कुछ और ही दिखती है। एक बूथ में औसतन 800 से 1200 वोटर होते हैं यानी लगभग 300 घर इन घरों में बीएलओ को सिर्फ दो बार जाना होता है एक बार फॉर्म देने और दूसरी बार फॉर्म लेने पूरा काम चुनाव आयोग ने 30 दिनों की अवधि में बांटा है यानी रोजाना 20 घरों तक जाना ही काफी है। इतना वर्कलोड तो एक ई-कॉमर्स डिलीवरी ब्वॉय रोज 30-60 घर कवर कर-के आराम से कर लेता है। फिर सवाल उठता है कि क्या वाकई इछड पर दबाव उतना है, जितना बताया जा रहा है या सच्चाई उससे अलग है। हालांकि हमें यह भी समझना होगा कि घर-घर जाने के अलावा हर बीएलओ को अपने दफ्तर में बैठकर काफी पेपरवर्क भी करना है। इसी बीच मतदाता सूची का विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान इन दिनों विवादों में आ गया है। आरोप है कि काम के दबाव के चलते कई बूथ लेवल अफसरों (BLOs) ने जान दे दी। कहा जा रहा है कि 20 दिन में दो दर्जन से ज्यादा बीएलओ की मौत हुई है। खुदकुशी करने वाले एक बीएलओ की जेब से एसआईआर के काम का दबाव होने के चलते जान देने संबंधी नोट मिलने की भी बात सामने आई है। चुनाव आयोग ह्यसब कुछ ठीक है का संदेश-संकेत दे रहा है। लेकिन क्या वाकई सब कुछ ठीक है? बीएलओ पर काम का दबाव है? या बीएलओ आराम से अपना काम कर रहे हैं? इन सवालों का जवाब ज्वलंत और चिंतनीय है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) 2009: अधिनियम की धारा 27 के अनुसार, शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों में नहीं लगाया जाना चाहिए। केवल कुछ मामलों में ही अपवाद हैं, जैसे दशकीय जनगणना, आपदा राहत, और संसदीय, राज्य एवं स्थानीय निकायों के चुनाव। बीएलओ का कार्य शिक्षकों की प्राथमिक शिक्षण जिम्मेदारियों में हस्तक्षेप करता है। मुझे निजी तौर पर लगता है कि इस बारे में केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को गहनता से विचार करना चाहिए और छात्र छात्राओं के भविष्य को देखते हुए शिक्षकों को शैक्षणिक कार्यों को सुचारू संचालन हेतु तमाम गैर शैक्षणिक कार्यों से मुक्त रखना चाहिए ताकि उन पर शैक्षणिक कार्यों के अलावा अन्य कोई दबाव ना हो।

ताकि, संसद की कार्यवाही स्थगित न हो

दिलीप कुमार पाठक

संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हो गया है, जब भी संसद का सत्र शुरू होता है तो देश की निगाहें संसद भवन की कार्यवाही पर टिकी होती है, क्योंकि देश को चलाने के लिए नियम -कानून तो यहीं बनते हैं, परंतु कुछ सालो से देखा गया है कि संसद भवन की कार्यशैली ही बदल गई है। सदन चलता कम स्थगित ज्यादा होता है, इसमे विपक्ष से ज्यादा सरकार ज़िम्मेदार है अगर ये कहा जाए तो गलत नहीं होगा। एक दौर होता था जब संसद में खूब नोक-झोंक होती थीं, लेकिन आलोचनाओं के लिए स्थान होता था, तमाम असहमतियों के बावजूद विमर्श होता रहता था।

संसद सत्र शुरू होने से पहले पीएम मोदी ने जो कहा वो भाषा पीएम के लिहाज से उचित नहीं है। पीएम ने कहा - मेरी एक चिंता रही है, लंबे समय से सदन में जो पहली बार चुनकर आए हैं, या जो युवा हैं, वैसे सभी दलों के सभी सांसद बहुत परेशान हैं, उन्हें अपने सामर्थ्य का परिचय कराने का अवसर नहीं मिल रहा है और न ही अपने क्षेत्र की समस्याओं के बारे में बताने का मौका नहीं मिल रहा है, कोई भी दल हो हमें किसी को भी हमारी नई पीढ़ी के नौजवान सांसदों को, उन्हें अवसर देना चाहिए। यहां तक तो पीएम ने अच्छी बात कही लेकिन उसके बाद जो कहा वो बेहद रूखे शब्दों में की गई टिप्पणी है पीएम ने कहा - इसलिए मेरा आग्रह रहेगा कि हम इन चीजों को गंभीरता से लें, ड्रामा करने के लिए बहुत जगह होती है, जिसे करना है करता रहे, यहां ड्रामा नहीं डिलीवरी होनी चाहिए। पीएम के शब्द उदारवादी होने चाहिए, अगर विपक्षी पार्टियों ने कार्यवाही बाधित की है तो उस पर बात की जा सकती है, लेकिन सीधे कहना कि ड्रामे के लिए जगह और हैं, मुझे लगता है कि पीएम के ऐसे शब्द संसद सत्र की गहमागहमी को और भी बढ़ा सकते हैं, वैसे भी विपक्ष सरकार पर हमलावार है।

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा, भाजपा लोकतंत्र और संसदीय परंपराओं को खत्म करने पर तुली है। शीतकालीन सत्र सिर्फ 19 दिन का है, जिसमें से सिर्फ 15 दिन ही चर्चा हो पाएगी, यह शायद अब तक का सबसे छोटा शीतकालीन सत्र होगा। इस सत्र के आयोजन में देरी भी हुई है और इसलिए ऐसा लगता है कि सरकार खुद संसद को डिरेल करना चाहती है, उन्होंने कहा, हमने सुरक्षा की बात उठाई है कि इस शीतकालीन सत्र में सुरक्षा से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा हो. इसमें सबसे पहले राष्ट्रीय सुरक्षा आता है। दिल्ली में जो ब्लास्ट हुआ, वो कहीं ना कहीं कानूनी और गृह विभाग की विफलताओं का एक बहुत बड़ा परिणाम है, लेकिन ऐसा नहीं लगता कि सरकार इस पर संक्षिप्त चर्चा चाहती है लेकिन लोकतंत्र की रक्षा, चुनाव आयोग की निष्पक्षता, हमारी तीसरी मांग स्वास्थ्य की सुरक्षा की है। जिस प्रकार से वायु प्रदूषण बढ़ रहा है। चौथा विषय आर्थिक सुरक्षा है, जो किसान, श्रमिक है। उसे ना तो उचित मूल्य मिल रहा है, ना कारखाने में सुरक्षा मिल रही है।

(लेखक पत्रकार हैं)

उदयपुर में आचार्य पुण्य सागर जी महाराज ने 21,000 फीट दीर्घ पट्टिका निमार्ताओं डॉ. सीमा वेद और मनोज आंचलिया का किया सम्मान

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। श्री 1008 पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर, हिरण मगरी सेक्टर-4 में आयोजित विशेष कार्यक्रम में वात्सल्य निधि आचार्य कल्प पुण्य सागर जी महाराज ने जैन समाज के गुमनाम स्वाधीनता सेनानियों की वीर गाथाओं को 21,000 फीट लंबे कपड़े पर लिपिबद्ध करने वाले डॉ. सीमा वेद और मनोज आंचलिया का सम्मान किया। आचार्य पुण्य सागर जी महाराज ने इस ऐतिहासिक पट्टिका का अवलोकन करते हुए इसे राष्ट्रभक्ति और इतिहास संरक्षण की दिशा में असाधारण योगदान बताया।

कार्यक्रम के दौरान आचार्य पुण्य सागर जी महाराज ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में जैन समाज की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही है। समाज का इतिहास केवल तप, त्याग और धर्म तक सीमित नहीं, बल्कि राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए दिए गए अनगिनत योगदानों से भी परिपूर्ण है। उन्होंने दीर्घ पट्टिका में दर्ज जैन स्वतंत्रता सेनानियों की वीरता का उल्लेख करते हुए लाल हुकमचंद जैन, लक्ष्मीचंद जैन, एडवोकेट कमलचंद जैन, कंचन जैन, प्रभादेवी शाह और अंगूरी देवी सहित अनेक योगदानकताओं को श्रद्धापूर्वक याद किया।

डॉ. सीमा वेद और मनोज आंचलिया द्वारा तैयार की गई यह 21,000 फीट लंबी पट्टिका 1857 से 1947 तक के स्वतंत्रता संग्राम के 90 वर्षों की तमाम प्रमुख जैन घटनाओं और सेनानियों का विस्तृत संकलन है। इसमें फकीरचंद जैन, रामशरण दास, कुसुमकांत जैन, गोवर्धनदास जैन, मिश्रीलाल गंगवाल, कल्याण कुमार, शशि बाबू, ज्योतिप्रसाद जैन सहित अनेक स्वाधीनता सेनानियों का उल्लेख किया गया है, जिन्होंने ब्रिटिश शासन के विरुद्ध संघर्ष में अपनी अमूल्य भूमिका निभाई।

आचार्य पुण्य सागर जी महाराज ने इस प्रयास को जैन समाज के लिए ऐतिहासिक और प्रेरणादायी बताते हुए कहा कि इस प्रकार के दस्तावेजीकरण से नई पीढ़ी को अपने गौरवशाली इतिहास का ज्ञान होगा और गुमनाम वीरों के योगदान को स्थायी पहचान मिलेगी।

कार्यक्रम में सुभाष सेठी सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धा, प्रेरणा और गौरव का भाव वातावरण में व्याप्त रहा।

राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय में रोजगार कौशल एवं प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का समापन

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

एआई कौशल, उद्यमिता और व्यावहारिक प्रशिक्षण पर छात्राओं को मिला विशेष मार्गदर्शन

उदयपुर। राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय, उदयपुर में राज्य सरकार के राइजिंग राजस्थान अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय के कैंपस प्लेसमेंट एवं कैरियर काउंसलिंग सेल द्वारा आयोजित रोजगार कौशल एवं प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का रविवार को समापन हुआ। यह प्रशिक्षण महिंद्रा एंड महिंद्रा समूह की नांदी फाउंडेशन के सहयोग से संचालित किया गया।

समापन समारोह में हसीना चक्कीवाला, सीईओ–क्वालिटी मार्बल एक्सपोर्ट्स एवं कोषाध्यक्ष–यूसीसीआई, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज का युग कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक) और उद्यमिता का है। छात्राओं को चाहिए कि वे समय के साथ खुद को तकनीकी रूप से मजबूत करें, एआई आधारित कौशल सीखें और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ें।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. दीपक माहेश्वरी ने कहा कि प्रशिक्षण तभी सार्थक होता है जब उसका नियमित अभ्यास जारी रखा जाए। उन्होंने छात्राओं को सतत सीखने और नई तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

रोजगार प्रकोष्ठ प्रभारी प्रो. अशोक सोनी ने प्रशिक्षण की उपयोगिता, उसके व्यावहारिक स्वरूप और करियर निर्माण में होने वाले लाभों पर प्रकाश डाला। नांदी फाउंडेशन की ओर से प्रशिक्षण पूर्ण करने वाली 41 छात्राओं को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। प्रशिक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर सादिया बानो, नंदनी पालीवाल और राजबाला मेहावत को विशेष रूप से पुरस्कृत किया गया।

प्रशिक्षण के अनुभव साझा करते हुए सिमी खान और कृष्णा ने बताया कि यह कार्यक्रम उनके व्यक्तित्व विकास, संचार कौशल और रोजगार तैयारी के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम की संयोजक शालिनी दुबे ने पूरे प्रशिक्षण की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की, जबकि कार्यक्रम का संचालन डॉ. साक्षी चौहान ने किया। इस अवसर पर रोजगार परामर्श प्रकोष्ठ के सदस्य डॉ. शुभ्रा तिवारी, डॉ. अनुपम, डॉ. अंजु बेनीवाल, डॉ. मीनाक्षी माहुर सहित बड़ी संख्या में छात्राएं मौजूद रहीं।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम छात्राओं को रोजगार, व्यक्तित्व विकास और कौशल उन्नयन के लिए एक महत्त्वपूर्ण आधार प्रदान करता है।

प्रोटोकॉल एवं लाईजनिंग अधिकारी नियुक्त

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

डूंगरपुर। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग के मंत्री श्री झाबर सिंह खर्रा, 04 दिसम्बर से 05 दिसम्बर 2025 तक डूंगरपुर जिले में यात्रा कार्यक्रम प्रस्तावित है। अतिरिक्त जिला कलक्टर दिनेश चन्द्र धाकड़ ने बताया कि तहसीलदार सागवाडा, डूंगरपुर, दोवडा, पालदेवल, साबला एवं तहसीलदार आसपुर अपने-अपने क्षेत्र में मंत्री खर्रा के आगमन से प्रस्थान तक प्रोटोकॉल एवं लाईजनिंग अधिकारी का कार्य सम्पादित करेंगे तथा जिला पुलिस अधीक्षक डूंगरपुर आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करेंगें।

विश्व एड्स दिवस–1 दिसंबर: डरना नहीं, समझना होगा; जागरूकता और रोकथाम ही एड्स से बचाव का वास्तविक उपचार: डॉ. एम.के. जैन

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

विदिशा। होटल ग्रैंड अशोक में आईएपी एवं आईएमए द्वारा आयोजित जागरूकता संगोष्ठी में एड्स नियंत्रण, रोकथाम और सामाजिक जागरूकता पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आईएपी विदिशा के अध्यक्ष एवं आईएमए के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. एम.के. जैन ने कहा कि एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाने, संक्रमित लोगों को समर्थन देने और इस बीमारी से जान गंवाने वालों को याद करने के उद्देश्य से विश्व एड्स दिवस वर्ष 1988 से प्रतिवर्ष एक दिसंबर को मनाया जा रहा है। इस वर्ष की थीम ह्यएड्स नियंत्रण में आ रही बाधाओं को पार करना और एड्स रिस्पॉन्स को बदलनाह्ण है, जो वर्ष 2030 तक एड्स उन्मूलन के लिए वैश्विक सहयोग और मानवाधिकार आधारित दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर देती है।

डॉ. जैन ने कहा कि एड्स नियंत्रण के लिए सरकार और समाज को मिलकर प्रयास करना आवश्यक है। जागरूकता बढ़ाना ही इस बीमारी से बचाव का सबसे सशक्त उपाय है। कार्यक्रम में आईएपी के सचिव डॉ. सुरेंद्र सोनकर ने बताया कि आज भी समाज में एड्स को लेकर भ्रांतियां, कलंक और टैबू मौजूद हैं, जिनके कारण बीमारी की समय पर पहचान, रोकथाम और उपचार प्रभावित होता है। ऐसे में एचआईवी संक्रमण के तरीकों, सावधानियों और संक्रमित व्यक्तियों के प्रति भेदभाव खत्म करने की दिशा में जागरूकता बेहद आवश्यक है।

आईएपी एवं आईएमए के वरिष्ठ सदस्य डॉ. आकाश जैन ने बताया कि मध्य प्रदेश में लगभग 70 हजार लोग एड्स से प्रभावित हैं। इंजेक्शन द्वारा नशा करने की प्रवृत्ति, असुरक्षित यौन संबंध और समलैंगिक यौन गतिविधियों के कारण 15 से 35 वर्ष के युवा तेजी से इस संक्रमण की चपेट में आ रहे हैं। आईएमए की वरिष्ठ सदस्य एवं महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. ज्योति जैन ने कहा कि विश्व एड्स दिवस विश्व स्वास्थ्य संगठन और संयुक्त राष्ट्र द्वारा मान्यता प्राप्त पहला ग्लोबल हेल्थ डे है, जिसका उद्देश्य जनता को स्वास्थ्य जागरूकता से जोड़ना है।

एड्स के प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए चिकित्सकों ने कहा कि यह संक्रमण शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को धीरे-धीरे नष्ट कर देता है, जिससे साधारण बीमारी भी गंभीर रूप ले लेती है और मरीज की जान तक जा सकती है। आईएपी सदस्य डॉ. हेमंत यादव ने बताया कि एचआईवी संक्रमण मुख्य रूप से असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित रक्त चढ़ाने, संक्रमित सुई-सीरिंज के उपयोग, नाक-कान छेदने में प्रयोग किए गए प्रदूषित उपकरणों, ब्यूटी पार्लर और टैटू उपकरणों से संक्रमण तथा संक्रमित मां से जन्मे शिशुओं तक फैल सकता है। उन्होंने कहा कि एड्स का एकमात्र सुरक्षित समाधान–जागरूकता, सावधानी और समय पर जांच है।

कार्यक्रम के अंत में विशेषज्ञों ने कहा कि एड्स से जुड़ी भ्रांतियों को दूर कर समाज में जागरूकता फैलाना, सुरक्षित व्यवहार अपनाना और संक्रमित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशीलता दिखाना ही इस बीमारी से लड़ने का सबसे बड़ा हथियार है।

खबर संक्षेप

राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय में अंतरिक्ष प्रदर्शनी को मिली रिकॉर्ड सफलता

लंबी कतारों के बावजूद विद्यार्थियों का उत्साह चरम पर: कुलगुरु प्रो. निमित

कोटा @ पद्मावत मीडिया। राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय (आरटीयू), कोटा में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के स्पेस एप्लीकेशन सेंटर,

अहमदाबाद के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय विक्रम साराभाई अंतरिक्ष प्रदर्शनी में पहले ही दो दिनों में विद्यार्थियों की रिकॉर्ड-तोड़ सहभागिता देखने को मिली। 1 दिसंबर को आरंभ हुई इस प्रदर्शनी में 60 से अधिक शिक्षण संस्थानों और 6000 से अधिक विद्यार्थियों ने पंजीकरण करवाया, जिससे विश्वविद्यालय परिसर पूरे दिन विज्ञान, टेक्नोलॉजी और अंतरिक्ष अनुसंधान के रोमांच से गूंजता रहा। कुलगुरु प्रो. निमित रंजन चौधरी ने प्रदर्शनी को मिली सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि कोटा के विद्यालयों के विद्यार्थियों का उत्साह प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि इसरो जैसे संस्थान से सीधा संवाद छात्रों को भविष्य की वैज्ञानिक और तकनीकी दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। आरटीयू का लक्ष्य छात्रों में नवाचार, अनुसंधान और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को मजबूत करना है और यह प्रदर्शनी उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। दूसरे दिन आरटीयू परिसर में लगभग 3000 विद्यार्थी पहुंचे और अन्य विद्यालयों के छात्र भी पंजीकरण कर अपनी बारी के इंतजार में कतारों में खड़े दिखाई दिए। बच्चों ने चंद्रयान, मंगलयान, लॉन्चपैड, रॉकेट इंजन, उपग्रह और रोवर जैसे आकर्षक मॉडल्स का नजदीक से अवलोकन किया। इसरो की स्पेस साइंस बस भी विद्यार्थियों के लिए उत्साह का प्रमुख केंद्र रही। प्रदर्शनी में स्थापित दो फिल्म-स्क्रीनिंग कक्षों में अंतरिक्ष विज्ञान पर आधारित विशेष डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई, जिन्हें विद्यार्थियों ने अत्यधिक रुचि के साथ देखा। प्रदर्शनी की सबसे प्रेरक गतिविधि रही विद्यार्थियों का इसरो के वैज्ञानिकों से प्रत्यक्ष संवाद–जहां बच्चों ने अंतरिक्ष मिशनों, प्रक्षेपण तकनीकों, उपग्रह संचालन और भारत की भविष्य की अंतरिक्ष योजनाओं से संबंधित अपने प्रश्न पूछे। कई विद्यार्थियों ने कहा कि इस प्रदर्शनी ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के प्रति उनके मन में नई ऊर्जा और उत्साह जगाया है। यह बहुप्रतीक्षित अंतरिक्ष प्रदर्शनी 3 दिसंबर तक जारी रहेगी, जिसमें कोटा सहित आसपास के जिले भी बड़ी संख्या में आने की संभावना है।

शिल्पग्राम उत्सव 2025 हेतु स्टॉलों की खुली निलामी आज से

उदयपुर @ पद्मावत मीडिया। पश्चिम क्षेत्र सांस्कतिक केन्द्र, उदयपुर द्वारा आयोजित शिल्पग्राम उत्सव - 2025 हेतु शिल्पग्राम परिसर में खाने के व्यंजन/फूड स्टॉल, आईस्क्रीम आदि स्टॉलों की खुली बोली द्वारा निलामी शिल्पग्राम परिसर में की जावेगी। पश्चिम क्षेत्र सांस्कतिक केन्द्र, उदयपुर केन्द्र निदेशक फुरकान खान ने बताया कि खाने के व्यंजन/फूड स्टॉल की खुली निलामी दिनांक 3 दिसम्बर 2025 को, आईस्क्रीम, ज्यूस स्टॉल व गन्ने का रस, गुड, बैल चालित चरखिया तथा शिल्पग्राम चौपाल ढाबा दि. 4 दिसम्बर 2025 को तथा खुरजा पोट्री, कारपेट, सहारनपुर लकड़ी फर्निचर की खुली निलामी 5 दिसंबर 2025 को शिल्पग्राम परिसर में प्रातः 11 बजे से आयोजित होगी। इसके अलावा पारंपरिक भोजन हेतु उचित दरों वाली 5 स्टॉलों के लिए तथा शिल्पग्राम उत्सव के दौरान ऊंट सवारी हेतु प्रार्थना पत्र 8 दिसंबर 2025 तक बंद लिफाफे में कार्यालय भिजवा सकते है।

उर्वरक प्रबंधक एवं निगरानी हेतु नियंत्रण कक्ष स्थापित

डूंगरपुर @ पद्मावत मीडिया। कृषि आयुक्तालय के उर्वरक प्रबन्धन एवं निगरानी के लिए जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। नियंत्रण कक्ष के प्रभारी सहायक निदेशक कृषि (मुख्यालय), गीता रोत रहेगें। क्षेत्र में यदि कही भी उर्वरक की विक्रय तय कीमत से अधिक दर पर किया जा रहा है तो कृषक भाई इस नम्बर पर शिकायत दर्ज करा सकते है। कन्ट्रोल रूम में जिले के किसानों से प्राप्त शिकायतों एवं कॉल सेन्टर से प्राप्त शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया जाऐगा। संयुक्त निदेशक कृषि विस्तार परेश कुमार पण्ड्या ने बताया कि इसके अलावा क्षेत्र में उर्वरक निरीक्षको द्वारा लगातार मोनीटरिंग की जा रही है।

ईडी की बड़ी सफलता

169.47 करोड़ की जब्त संपत्तियाँ सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया को वापस

पद्मावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को प्रकाश वाणिज्य प्राइवेट लिमिटेड और उसके प्रमोटर-डायरेक्टर मनोज कुमार जैन से जुड़े 234.57 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में बड़ी कामयाबी मिली है। ईडी ने पीएमएलए, 2002 के तहत कार्रवाई करते हुए जब्त की गई 169.47 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों को सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया को लौटाने की अनुमति दिला दी है।

ईडी की जांच में सामने आया कि कंपनी ने फर्जी दस्तावेज, मनगढ़ंत वित्तीय विवरण और गलत बैंकिंग लेनदेन के आधार पर क्रेडिट सुविधाएँ हासिल कीं। इसके बाद लोन राशि को अवैध तरीके से दूसरी कंपनियों और खातों में डायवर्ट किया गया, जिससे सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया को 234.57 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

इस धोखाधड़ी की जांच के दौरान ईडी ने पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ में स्थित 199.67 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों को चार अंतरिम अटैचमेंट आदेशों के माध्यम से जब्त किया था। बाद में इन्हें अधिनिर्णायक प्राधिकरण ने भी पुष्टि दी।

प्रकाश वाणिज्य प्राइवेट लिमिटेड बैंक धोखाधड़ी मामले में कोर्ट ने अनुमति दी पुनर्स्थापन

जनहित और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक की वसूली सुनिश्चित करने के लिए ईडी और सेंट्रल बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच कई दौर की बैठकें हुईं। इसके बाद बैंक ने जब्त संपत्तियों की पुनर्स्थापना के लिए आवेदन प्रस्तुत किया, जिसे ईडी ने सहमति याचिका के माध्यम से समर्थन दिया, जिससे न्यायालय को उचित निर्णय लेने में मार्ग प्रशस्त हुआ।

28 नवंबर 2025 को कोलकाता सिटी सेशंस कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने बैंक के पक्ष में निर्णय देते हुए जब्त संपत्तियाँ सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया को सौंपने की अनुमति दे दी। न्यायालय ने कहा कि बैंक अपनी वैध देनदारियों की वसूली का हकदार है। न्यायालय ने यह भी दर्ज किया कि ईडी को इस पुनर्स्थापना पर कोई आपत्ति नहीं है, बशर्ते देनदारियों की पूर्ति के बाद किसी भी अधिशेष राशि को पीएमएलए के तहत सक्षम प्राधिकारी के समक्ष जमा कराया जाए।

संपत्तियों का नवीनतम मूल्यांकन सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा किया गया, जिसमें इनकी वास्तविक वसूली योग्य वर्तमान कीमत 169.47 करोड़ रुपये आंकी गई।

यह पुनर्स्थापना न केवल बैंक धोखाधड़ी में फंसे सार्वजनिक धन की वापसी में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि जटिल वित्तीय अपराध नेटवर्क को ध्वस्त करने और बैंकिंग प्रणाली की विश्वसनीयता बनाए रखने के ईडी के संकल्प को भी मजबूत करती है।

जिला स्तरीय युवा महोत्सव 10 दिसम्बर को सलूम्बर में आयोजित होगा

पद्मावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

सलूम्बर। राज्य सरकार की बजट घोषणा के अनुरूप जिले में युवा प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से 10 दिसम्बर 2025 को जिला स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सलूम्बर में किया जाएगा। सचिव एवं जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय (माध्यमिक) सलूंबर ने बताया कि महोत्सव में विज्ञान मेला, समूह नृत्य, एकल नृत्य, समूह गीत, एकल गीत, कविता, कहानी, चित्रकला, भाषण, हैंडीक्राफ्ट, टेक्सटाइल, कृषि उत्पाद तथा राजस्थान की लुप्त एवं पारंपरिक कलाओं जैसे फड़, रावणहत्था, रम्मत, अलगौजा, माण्डना, कठपुतली, भित्ति चित्र, खड़ताल आदि की प्रतियोगिताएँ आयोजित होंगी। इन सभी प्रतियोगिताओं में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के प्रतिभागी हिस्सा ले सकेंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक युवा राजस्थान युवा बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट youthboard.rajasthan.gov.in पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर सकेंगे। प्रतिभागियों के लिए प्रतियोगिता स्थल पर आवेदित फॉर्म की प्रिंट कॉपी, आधार कार्ड एवं जन्म प्रमाण पत्र लाना अनिवार्य रहेगा। जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर प्रदान किया जाएगा। आयोजन को लेकर शिक्षा विभाग एवं संबंधित अधिकारियों द्वारा सभी तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं और युवाओं में कार्यक्रम को लेकर उत्साह देखा जा रहा है।

कृषि आयुक्तालय टीम का खादझबीज दुकानों पर निरीक्षण, अनियमितता मिलने पर कार्रवाई

पद्मावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

भीलवाड़ा। रबी सीजन में किसानों को समय पर उच्च गुणवत्ता वाले उर्वरक एवं बीज उपलब्ध कराना तथा किसी भी प्रकार की काला बाजारी पर रोक लगाना कृषि विभाग की प्रमुख प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से कृषि आयुक्तालय, जयपुर की टीम ने भीलवाड़ा जिले में विभिन्न खादझबीज प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण किया। संयुक्त निदेशक कृषि विनोद कुमार जैन ने बताया कि जल उपयोगिता प्रकोष्ठ के सहायक निदेशक जितेंद्र कुमार नोगिया एवं नरेंद्र जैन द्वारा किए गए निरीक्षण में मैसर्स निम्बार्क एजेंसी पर निर्धारित तिथि तक स्टॉक संधारित नहीं पाया गया तथा बिना पीसी में इंद्राज किए पोटाश डेराइव्ड फ्रॉम मोलासिस मिला। इस पर टीम ने तत्काल बिक्री पर रोक लगाकर प्रतिष्ठान को कारण बताओ नोटिस जारी किया। वहीं हिंदुस्तान सीड्स एंड फर्टिलाइजर प्रतिष्ठान पर बिल बुक निर्धारित प्रारूप में संधारित नहीं होने पर सुधार हेतु निर्देश दिए गए। विभाग ने स्पष्ट किया कि रबी सीजन में किसानों की आवश्यकता अनुसार यूरिया सहित अन्य सभी उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है और इसी कारण सभी विक्रेताओं के स्टॉक, गोदाम, पॉस

काला बाजारी रोकने हेतु जिला स्तरीय कंट्रोल रूम स्थापित

मशीन रिकॉर्ड तथा स्टॉक रजिस्टर का मिलान कर गहन जांच की जा रही है। निरीक्षण के दौरान उर्वरकों के नमूने भी लिए गए जिन्हें विश्लेषण हेतु प्रयोगशाला भेजा जाएगा तथा किसी भी स्तर पर अनियमितता मिलने पर उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। किसानों की सुविधा और त्वरित समाधान के लिए जिला स्तरीय कंट्रोल रूम भी स्थापित किया गया है, जिसमें प्रभारी कृषि अधिकारी (सामान्य) रमेश चंद चौधरी (मो. 8561939920) एवं सहझप्रभारी कृषि पर्यवेक्षक (मो. 8742036635) को नियुक्त किया गया है। किसान उर्वरक उपलब्धता, गुणवत्ता या संभावित काला बाजारी से संबंधित किसी भी शिकायत के लिए सीधे कंट्रोल रूम पर संपर्क कर सकते हैं।

कुंभलगढ़ फेस्टिवल का दूसरा दिन: पर्यटकों का उमड़ा हुजूम, लोक कलाकारों ने बांधा समा

पद्मावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

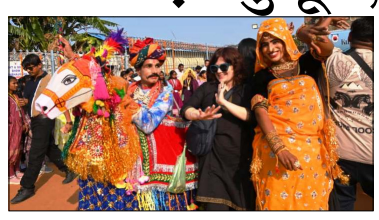

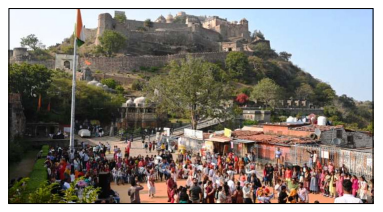

राजसमंद। तीन दिवसीय कुंभलगढ़ फेस्टिवल का दूसरा दिन भी उतना ही रंगीन, ऊर्जावान और उत्साह से भरा रहा। सुबह से लेकर देर शाम तक कार्यक्रमों में देश-विदेश से आए पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ी, जिससे ऐतिहासिक दुर्ग परिसर सांस्कृतिक उल्लास से सराबोर दिखाई दिया। दिनभर चकरी, सहरिया, चंग-ढप, कच्छी घोड़ी, लाल अंगी, बांकिया, बहरूपिया, कालबेलिया, लंगा और गवरी जैसी राजस्थान की विशिष्ट लोकनृत्य शैलियों ने मंच पर ऐसी ऊर्जा भरी कि दर्शक अपने-आप को थिरकने से रोक नहीं पाए। पारंपरिक परिधानों में सजे कलाकारों ने जब ढोल-नगाड़ों की धुनों पर प्रस्तुतियाँ दीं, तो कई पर्यटक भी उनके साथ नाचते नजर आए, जिससे पूरा वातावरण लोक संस्कृति की चिरस्थायी सौंधी महक से भर उठा।

शाम का मुख्य आकर्षण रहा ह्यलोकरागझसंदीप रत्नूह्न का नाट्य-संगीत कार्यक्रम। मधुर लोकधुनों के साथ प्रभावशाली मंचन ने दर्शकों को पूरी तरह मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम समाप्त होते ही पूरा परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गुंजायमान हो उठा। वहीं ह्यपगड़ी बांधोह्न प्रतियोगिता में भी देशी-विदेशी पर्यटकों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर खूब उत्साह दिखाया।

दूसरे दिन कुंभलगढ़ दुर्ग में दिनभर पर्यटकों की निरंतर आवाजाही रही। दुर्ग की विशाल प्राचीन वास्तुकला, प्राकृतिक सौंदर्य और पारंपरिक लोक संस्कृति का सम्मिलित अनुभव आगंतुकों को पूरा दिन रोमांचित करता रहा। परिवारों, युवा समूहों और विदेशों से आए पर्यटकों की सक्रिय सहभागिता ने पूरे फेस्टिवल को और अधिक आकर्षक बनाया। सुरक्षा और व्यवस्थाओं के लिए पुलिस एवं प्रशासन द्वारा संपूर्ण प्रबंध सुनिश्चित किए गए थे।

कार्यक्रम में पर्यटन विभाग की संयुक्त निदेशक सुमिता सरोच, उप निदेशक शिखा सक्सेना, एसडीएम साक्षी पूरी, सहायक निदेशक विवेक जोशी, सहायक निदेशक जितेंद्र माली, पर्यटक अधिकारी नीलू राठौड़, होटल एसोसिएशन के प्रतिनिधि, स्थानीय प्रशासन और बड़ी संख्या में देश-विदेश से आए पर्यटक उपस्थित रहे।

फेस्टिवल के तीसरे और अंतिम दिन 3 दिसंबर को नगाड़ा कॉन्सर्ट-डांसिंग पीकॉक द्वारा ड्रम ओडिसी का भव्य आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही दिनभर राजस्थानी लोकनृत्य-संगीत, पगड़ी पहनाओ प्रतियोगिता, रस्साकस्सी और कई आकर्षक गतिविधियाँ भी आयोजित की जाएँगी।

पुलिस थाना श्रीनाथजी मंदिर की बड़ी कार्रवाई: 109 कार्टून अवैध विस्फोटक सामग्री पकड़ी, बंद बॉडी वाहन से दो तस्कर गिरफ़्तार

पद्मावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

राजसमंद। जिले में अवैध विस्फोटक सामग्री के परिवहन के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान को बड़ी सफलता मिली है। ऑपरेशन सुदर्शन चक्र के तहत पुलिस थाना श्रीनाथजी मंदिर की टीम ने बंद बॉडी वाहन में भारी मात्रा में अवैध विस्फोटक सामग्री ले जा रहे दो तस्करों को दबोचकर बड़ी कार्रवाई अंजाम दी। यह कार्रवाई महानिरीक्षक पुलिस उदयपुर रेंज के निर्देश, जिला पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता के नेतृत्व, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेन्द्र पारीक के मार्गदर्शन और वृत्ताधिकारी नाथद्वारा शिप्रा राजावत के सुपरविजन में की गई। घटना के अनुसार दिनांक 02.12.2025 को पुलिस टीम को

सूचना मिली कि अवैध विस्फोटक सामग्री से भरा एक वाहन नाथद्वारा क्षेत्र में प्रवेश करने वाला है। सूचना पर टीम ने त्रिनेत्रा सर्कल पर नाकाबंदी कर संदिग्ध बंद बॉडी वाहन (407, RJ 28 GA 0712) को रुकवाया। जांच में पाया गया कि वाहन में 109 कार्टून इको प्राइम एक्स विस्फोटक सामग्री, जिनमें 981 गुल्ले, साथ ही 100 ट्रंक लाइन डिले (TLD), 93 डेटोनेटर (डिटीएच लगे हुए) तथा लगभग 30 फीट सेफ्टी फ्यूज अवैध रूप से बिना किसी लाइसेंस या दस्तावेज के परिवहन किए जा रहे थे। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे यह विस्फोटक सामग्री साकरड़ा आमेट से भरकर इसवाल क्रेशर प्लांट ले जा रहे थे। पुलिस ने पूरी सामग्री व वाहन को जब्त किया और प्रकरण धारा 5/9इ विस्फोटक अधिनियम व 288 भारतीय न्याय संहिता 2023 में दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान प्रारम्भ किया।

गिरफ़्तार आरोपी : भगवतसिंह पुत्र अभयसिंह सोलंकी, निवासी बांडा, थाना आमेट, जिला राजसमंद, हिम्मतसिंह पुत्र शंकरसिंह राठौड़, निवासी धागडास, थाना गंगापुर, जिला भीलवाड़ा

इस कार्रवाई में सहायक उपनिरीक्षक सोहन सिंह, हैड कांस्टेबल शंभुलाल, कांस्टेबल अनिल, कांस्टेबल मालाराम और चालक शंभूसिंह शामिल थे।

राज्यमंत्री झाबर सिंह खर्रा दो दिवसीय जिले के दौरे पर

पद्मावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

डूंगरपुर। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), नगरीय विकास एवं स्वायत शासन विभाग के मंत्री श्री झाबर सिंह खर्रा डूंगरपुर में दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। अतिरिक्त निजी सचिव सुभाष सिंह ने बताया कि माननी झाबर सिंह खर्रा 04 दिसम्बर 2025 को उदयपुर से दोपहर 01 बजे प्रस्थान कर डूंगरपुर दोपहर 02.30 बजे मुख्यमंत्री जनआवास योजना के तहत नगर परिषद द्वारा निर्मित मुरला गणेश रोड़ डूंगरपुर में मुख्यमंत्री जनआवास का लोकार्पण करेंगे। रात्रि विश्राम सर्किट हाउस, डूंगरपुर में। 05 दिसम्बर 2025 को डूंगरपुर से प्रातः 09.30 बजे सागवाडा के लिए रवाना होंगे एवं नगर पालिका सागवाड़ा में नवीन भवन का शिलान्यास करेंगे।

विज्ञान समिति व डॉ. डी.एस. कोठारी संस्थान की मासिक प्रौद्योगिकी व्याख्यान माला संपन्न

नाभीकीय ऊर्जा संयंत्रों में भारी जल की भूमिका पर विशेषज्ञों ने साझा किए महत्वपूर्ण विचार

पद्मावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। विज्ञान समिति और डॉ. डी.एस. कोठारी संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 11वीं मासिक प्रौद्योगिकी व्याख्यान माला में नाभीकीय ऊर्जा संयंत्रों में भारी जल (ल्हीं५८ हंझी१) की भूमिका विषय पर विस्तृत एवं महत्वपूर्ण विमर्श हुआ। मुख्य वक्ता डॉ. के.के. शर्मा ने कहा कि भारत की कुल ऊर्जा आवश्यकता में परमाणु ऊर्जा का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है और वर्तमान में देश में 25 परमाणु रिएक्टर संचालित हैं। उन्होंने बताया कि रिएक्टरों को निरंतर सुरक्षित रूप से चलाने के लिए चार स्तरीय ऊर्जा प्रणाली लागू की गई है, जिससे संयंत्रों से किसी भी प्रकार का विकिरण बाहर नहीं जा पाता।

डॉ. शर्मा ने जानकारी दी कि भारत के परमाणु संयंत्रों में अंतरराष्ट्रीय मानकों से भी अधिक कठोर सुरक्षा प्रावधान लागू किए गए हैं और उनका पालन पूर्ण कड़ाई से किया जाता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में अधिकांश रिएक्टरों में ईंधन के रूप में यूरेनियम का उपयोग होता है, लेकिन भारत में थोरियम के बड़े भंडार को देखते हुए भविष्य में थोरियम-आधारित ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे देश ऊर्जा क्षेत्र में और अधिक आत्मनिर्भर बन सकेगा।

मीडिया प्रभारी प्रो. विमल शर्मा ने बताया कि व्याख्यान की अध्यक्षता करते हुए विज्ञान समिति के अध्यक्ष डॉ. महीप भटनागर ने नाभिकी ऊर्जा की आवश्यकता, इसकी स्थिरता तथा प्रदूषण रहित ऊर्जा उत्पादन की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता का परिचय प्रो. के.पी. तलेसरा द्वारा प्रस्तुत किया गया।

व्याख्यान माला में आदिनाथ सी.सै. स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और नाभीकीय ऊर्जा से संबंधित कई जिज्ञासापूर्ण प्रश्न पूछे, जिनका समाधान विशेषज्ञों ने सरल और वैज्ञानिक तरीके से किया।

कार्यक्रम में कोठारी संस्थान एवं विज्ञान समिति के वरिष्ठ सदस्य इंजी. एम.पी. जैन, इंजी. बी.एल. खमेसरा, इंजी. आर.के. खोखावत, मुनीष गोयल सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का धन्यवाद विज्ञान समिति के महासचिव डॉ. आर.के. गर्ग ने ज्ञापित किया।

वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर तीन दिवसीय मल्टीमीडिया प्रदर्शनी आज से शुरू

पद्मावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

बांसवाड़ा। भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी), डूंगरपुर की ओर से वंदे मातरम राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय भव्य मल्टीमीडिया प्रदर्शनी का आयोजन 3 से 5 दिसंबर तक श्री गोविंद गुरु राजकीय महाविद्यालय, बांसवाड़ा के सभागार में किया जा रहा है।

केंद्रीय संचार ब्यूरो के सहायक निदेशक आर.एल. मीणा ने बताया कि यह प्रदर्शनी केंद्र सरकार की प्रमुख योजनाओं के साथ-साथ वंदे मातरम के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय महत्व पर केंद्रित रहेगी। प्रदर्शनी

का शुभारंभ 03 दिसंबर 2025 को सुबह 11 बजे जिला कलेक्टर इंद्रजीत यादव, पंचायत समिति बांसवाड़ा के प्रधान बलवीर रावत और डूंगरपुर-बांसवाड़ा के पूर्व सांसद कनकमल कटारा द्वारा किया जाएगा।

सहायक निदेशक मीणा ने बताया कि प्रदर्शनी में वंदे मातरम राष्ट्रीय गीत, खेलो भारत नीति 2025, प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान, ज्ञान भारतम मिशन, रोजगार मेलाझकौशल विकास, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण 2.0, डिजिटल इंडिया, भारत की सेमीकंडक्टर क्रांति, शक्तिशाली भारत का संविधान, प्रधानमंत्री गति शक्ति, उज्ज्वला योजना, किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, जन-धन योजना, मातृ वंदना योजना, सहकारिता, प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना सहित अनेक केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं पर आधारित आकर्षक पैनल लगाए जाएंगे।

इसके अतिरिक्त प्रदर्शनी में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, कृषि एवं उद्यानिकी विभाग, भारतीय डाक विभाग, महिला अधिकारिता, जिला परिषद, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग तथा जिला अग्रणी बैंक भी अपने-अपने विभागीय स्टॉल लगाएंगे। युवाओं और विद्यार्थियों के लिए एलईडी स्क्रीन, फिट इंडिया के तहत मोशन गेम्स तथा सेल्फी प्वाइंट विशेष आकर्षण रहेंगे।

तीन दिवसीय प्रदर्शनी के दौरान अलग-अलग सरकारी विभागों द्वारा तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें अधिकारी आमजन को अपनी योजनाओं, उपलब्धियों और लाभार्थी केंद्रित पहल की जानकारी देंगे। साथ ही विभिन्न मौखिक प्रतियोगिताएँ भी होंगी तथा विजेताओं को मौके पर ही पुरस्कृत किया जाएगा।

प्रदर्शनी में बांसवाड़ा शहर के सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों, महाविद्यालयों, मेडिकल एवं नर्सिंग कॉलेज, बीएड एवं एसटीसी संस्थानों के छात्र-छात्राओं को आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा महिला एवं बाल विकास विभाग की कार्यकर्ता, एनसीसी कैडेट, स्काउट-गाइड, नगर परिषद के कार्मिक तथा शहर के गणमान्य नागरिक भी प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे।

मीणा ने बताया कि प्रदर्शनी में प्रवेश निःशुल्क रहेगा तथा समय प्रातः 10:00 से सायं 4:00 बजे तक निर्धारित किया गया है।

सेमाल पंचायत के मगरा थोरी गांव में शांतिनाथ महामंडल विधान भव्य रूप से सम्पन्न

750 वर्ष प्राचीन पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में श्रद्धा का सागर उमड़ा, 120 अर्घ समर्पित

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

संवाददाता : अनिल स्वर्णकार

जावद/सलूम्बर। जैन धर्म की दिव्य आध्यात्मिक परंपरा और अनादि आस्था के अद्भुत संगम का साक्षी बना मगरा थोरी गांव, जहाँ 750 वर्ष से अधिक प्राचीन श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में श्री शांतिनाथ महामंडल विधान अत्यंत गरिमामय तरीके से सम्पन्न हुआ।

युवा प्रतिष्ठाचार्य दिनेश जुसावत (अदवास) के निर्देशन में आयोजित इस दिव्य अनुष्ठान में वातावरण भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा से पूर्णतः सराबोर रहा।

प्रवक्ता अनिल स्वर्णकार ने बताया कि बंसीलाल गांगजियोत (जावद) परिवार द्वारा मनोकामना पूर्ण होने पर यह विधान आयोजित किया गया। विधान के दौरान संगीतमय भक्तिरस से ओतप्रोत माहौल में श्रद्धालुओं ने 120 अर्घ समर्पित किए और शांतिनाथ प्रभु की विशेष पूजा-अर्चना सम्पन्न की।

प्राचीन धरोहर – जहाँ आज भी जीवित है आस्था की लौ

प्रतिष्ठाचार्य दिनेश जुसावत ने प्रवचन में कहा एक प्राचीन मंदिर का संरक्षण करना सौ नए मंदिर बनाने से भी बड़ा पुण्य है। उन्होंने बताया कि यह प्राचीन दिगंबर जैन मंदिर केवल वास्तुकला का प्रमाण नहीं, बल्कि सदियों से चली आ रही आस्था का जीवंत प्रतीक है।

आज गांव में एक भी जैन परिवार निवासरत नहीं है, फिर भी भगवान पार्श्वनाथ के इस मंदिर में श्रद्धालुओं की अपार आस्था और निरंतर पूजा-अर्चना यह सिद्ध करती है कि जैन धर्म की परंपराएँ समय से नहीं, श्रद्धा से चलती हैं।

बुजुर्गों के अनुसार प्राचीन काल में यहां बड़ी संख्या में जैन परिवार रहते थे और मंदिर उसी विरासत का स्थायी प्रमाण है।

आसपास के गांवों से उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

विधान में जावद, गिंगला, अदवास, बस्सी, सेमाल सहित कई गांवों से जैन समाज के श्रावक-श्राविकाएं शामिल हुए। पूरे मंदिर परिसर में जैन भक्ति की मधुर ध्वनियाँ, स्तुतियाँ और शांतिनाथ प्रभु के जयकारे गूंजते रहे।

भक्तों ने बताया कि यहाँ भगवान पार्श्वनाथ से मनोकामना मांगने और पूर्ण होने पर विधान कराने की परंपरा आज भी पूरे विश्वास के साथ निभाई जाती है।

आस्था, भक्ति और विरासत का एक अनुपम पर्व

शांतिनाथ महामंडल विधान के माध्यम से जैन समाज ने न केवल आध्यात्मिक साधना की, बल्कि यह संदेश भी दिया कि जैन मंदिर केवल पूजा का केंद्र नहीं, बल्कि संस्कृति, करुणा, संयम और शांति का प्रकाश स्तंभ हैं। यह आयोजन प्राचीन जैन धरोहरों के संरक्षण, धार्मिक परंपराओं के सम्मान और समाज के आध्यात्मिक उत्थान की दिशा में अत्यंत प्रेरणादायक सिद्ध हुआ।

खबर संक्षेप

सरकारी भूमि पर अवैध कब्जों पर निगम का बड़ा वार

जयपुर @ पदमावत मीडिया। नगर निगम जयपुर ने आदर्श नगर जोन क्षेत्र में सरकारी

भूमि पर हो रहे अवैध निर्माणों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग स्थानों पर अवैध संरचनाओं को ध्वस्त किया। आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देश पर उपायुक्त आदर्श नगर जोन राजेंद्र कुमार के नेतृत्व में निगम टीम ने त्वरित एक्शन लेते हुए अवैध निर्माण पूरी तरह हटाए। कार्रवाई के बाद क्षेत्र में अवैध कब्जेदारों में हड़कंप की स्थिति रही।

आयुक्त डॉ. सैनी ने स्पष्ट किया कि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और शहर को अतिक्रमण मुक्त व व्यवस्थित रखना निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने आमजन से आग्रह किया कि वे किसी भी अवैध निर्माण की जानकारी तुरंत निगम को उपलब्ध कराएं।

जोन उपायुक्त राजेंद्र कुमार ने बताया कि पहली कार्रवाई जामडोली के केशव विद्यापीठ स्कूल क्षेत्र में की गई, जहां बिना अनुमति के तेज गति से छत निर्माण किया जा रहा था। निगम टीम ने मौके पर पहुँचकर निर्माणकर्ता को नोटिस देकर काम रोकने के निर्देश दिए, लेकिन निर्माण जारी रखने पर टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए लोखंडा मशीन की सहायता से अवैध निर्माण को मौके पर ही पंक्चर कर ध्वस्त कर दिया। इस दौरान सतर्कता शाखा, भवन नियंत्रण टीम और स्थानीय स्टाफ मौजूद रहा। दूसरी कार्रवाई ऋषि गालव नगर में विवेक स्कूल के पीछे की सरकारी भूमि पर किए जा रहे अवैध निर्माण पर की गई। टीम ने मौके पर पहुंचते ही निर्माण को जेसीबी मशीन से पूरी तरह गिरा दिया और भूमि को तत्काल प्रभाव से मुक्त कराया। निगम अधिकारियों ने वहां मौजूद लोगों को चेतावनी दी कि सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण कानूनन अपराध है और इसके लिए कड़ी कानूनी कार्रवाई तय है। नगर निगम जयपुर द्वारा की गई इस दोहरी कार्रवाई ने स्पष्ट कर दिया कि शहर में अवैध अतिक्रमण और गैर-कानूनी निर्माण के खिलाफ अभियान सख्ती से जारी रहेगा और किसी भी स्तर पर ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

डीबीटी वाउचर योजना में आवेदन 31 दिसम्बर तक

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। अम्बेडकर डीबीटी वाउचर योजना के तहत शैक्षणिक सत्र 2025-26 के आवेदन 31 दिसम्बर 2025 तक आमंत्रित किए गए हैं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक गिरीश भटनागर ने बताया कि विभाग द्वारा संचालित अम्बेडकर डीबीटी वाउचर योजनान्तर्गत एससी, एसटी, ओबीसी, एमबीसी एवं ईडब्ल्यूएस के वे छात्र जो चिन्हित महाविद्यालयों (राजकीय महाराणा आचार्य संस्कृत कॉलेज, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम साईंस, यूनिवर्सिटी कॉलेज एण्ड मेनेजमेंट कॉलेज, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ साईंस, उदयपुर) की स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में नियमित रूप से अध्ययनरत है एवं घर से दूर रहकर अन्य स्थान पर कमरा किराये पर लेकर अध्ययन कर रहे है, को योजनान्तर्गत लाभ देय होगा। योजनान्तर्गत इच्छुक छात्र द्वारा ई-मित्र/एसएसओ आईडी के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है। आवेदन हेतु पात्रता/शर्ते सामान्य दिशा-निर्देशों का विस्तृत विवरण विभाग की वेबसाईट पर उपलब्ध हैं।

जागरूक मतदाता : जनतंत्र का प्रहरीह्व विषय पर राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा आम नागरिकों, शिक्षकों, छात्रों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए ह्लजागरूक मतदातारू जनतंत्र का प्रहरीह्व विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। आयोग का उद्देश्य जनसामान्य में मतदान के महत्व, जिम्मेदार नागरिक की भूमिका तथा लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के जागरुकता पक्षों को प्रसारित करना है। प्रतियोगिता के लिए निर्धारित निबंध 500 से 800 शब्दों की सीमा में लिखा जाना आवश्यक है तथा निबंध की भाषा हिंदी निर्धारित की गई है। प्रतिभागी अपने निबंध ईमेल अथवा व्हाट्सएप नंबर 7568400401 के माध्यम से भेज सकते हैं। आयोग द्वारा प्राप्त सभी निबंधों का मूल्यांकन चयन समिति द्वारा किया जाएगा ।

अब आम की फसल का भी बीमा करावा सकेगें किसान

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

डूंगरपुर। जिले में आम का क्षेत्रफल लगभग 425 हैक्टेयर से अधिक है। गत वर्षो में तेज हवा की वजह से जिले के कृषकों को आम की फसल में काफी नुकसान हुआ था। जिसकी भरपाई हेतु बीमा योजना को लागु किया जाना आवश्यक था।

राजस्थान सरकार कृषि ग्रुप-1 विभाग जयपुर 19 जून 2025 को जारी नवीन अधिसूचना के अनुसार जिले में रबी सीजन हेतु आम की फसल को पुर्नगठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना अन्तर्गत जिले की समस्त तहसीलों हेतु अधिसूचित किया गया है। जिले में आम का बीमा एग्रीकल्चर इंश्योरेन्स कम्पनी ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा किया जावेगा।

आम के लिए प्रति हैक्टेयर बीमित राशि 112000 रुपये है जिसकी प्रिमियम कृषक हिस्सा राशि 5 प्रतिशत के हिसाब से 5600 रुपये है। कृषक 1 नवम्बर 2025 से 31 दिसम्बर 2025 तक आम का बीमा नवीनतम जमाबन्दी की नकल, प्रस्तावित क्षेत्र में आम का क्षेत्रफल के खसरा नम्बरों का स्वप्रमाणित घोषणा पत्र, आधार कार्ड, बैक पासबुक की प्रति आदि दस्तावेजो के साथ निकटतम बैक/क्षेत्रीय ग्रामीण बैक/सीएससी/ईमित्र/कम्पनी प्रतिनिधि के माध्यम से करवा सकेगे। बीमे में 1 मार्च से 30 अप्रेल तक तेज हवा की वजह से होने वाले नुकसान हेतु मुआवजे का प्रावधान किया गया है। अधिक जानकारी हेतु कृषक निकटतम उद्यान/कृषि विभाग से सम्पर्क कर सकते है।

उप निदेशक उद्यान विकास कुमार चेचानी ने बताया कि जिले के किसान भाईयों से निवेदन है कि रबी में अन्तिम तिथि तक आम की फसलों को जोखीम से बचाने के लिए फसल बीमा अनिवार्यतः करवाये।

पेसिफिक डेंटल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर में बीडीएस सत्र 2025-26 का पाँच दिवसीय ओरिएंटेशन एवं स्वागत सप्ताह सम्पन्न

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। पेसिफिक डेंटल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर में बीडीएस सत्र 2025-26 के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए पाँच दिवसीय ओरिएंटेशन एवं स्वागत सप्ताह कार्यक्रम उत्साहपूर्ण और गरिमामय माहौल में सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नए विद्यार्थियों को संस्थान की शैक्षणिक संरचना, उपलब्ध संसाधनों, शिक्षण-प्रशिक्षण पद्धति तथा कॉलेज संस्कृति से परिचित कराना था, ताकि वे अपने पेशेवर सफर की शुरूआत आत्मविश्वास के साथ कर सकें।

कार्यक्रम के दौरान एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर अमन अग्रवाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए मेहनत, अनुशासन और सकारात्मक सोच को सफलता का आधार बताया। उन्होंने कॉलेज की उपलब्धियों, उत्कृष्ट अधोसंरचना, आधुनिक लैब सुविधाओं और भविष्य के कैरियर अवसरों

के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गौरव भारद्वाज ने कहा कि स्वागत सप्ताह न केवल विद्यार्थियों को संस्थान की कार्यप्रणाली से परिचित कराता है, बल्कि उन्हें प्रेरणा, समर्थन और नयी ऊर्जा प्रदान करता है। उन्होंने विद्यार्थियों को समर्पण, नियमित अभ्यास और उत्साह के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।

इस अवसर पर पीएमयू के डॉ. एम.एम. मंगल, पीएमसीएच के प्रिसिंपल डॉ. यू.एस. परिहार तथा डीन रिसर्च स्टडीज डॉ. आर.के. पालीवाल ने भी विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ प्रेषित कीं और डेंटल साइंस में उपलब्ध व्यापक संभावनाओं के बारे में प्रेरणादायक विचार साझा किए।

पाँच दिवसीय ओरिएंटेशन सप्ताह के दौरान विद्यार्थियों के लिए तम्बोला, फन गेम्स, अंताक्षरी, क्विज, आर्ट वर्क, डांसिंग और सिंगिंग जैसी अनेक मनोरंजक, रचनात्मक और ज्ञानवर्धक गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इन गतिविधियों ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों के बीच आत्मीयता, टीम वर्क और सहभागिता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को फैकल्टी सदस्यों द्वारा पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

ओरिएंटेशन सप्ताह का सफल संयोजन और प्रबंधन कॉलेज की एडमिन टीम द्वारा किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर संपूर्ण कॉलेज परिवार ने नवागंतुक विद्यार्थियों का गर्मजोशी से स्वागत किया और उनके सुनहरे भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

उदयपुर की फूड ब्लॉगर श्वेता ईनाणी ने पेश किया आकर्षक हार्ट शेप खोपरा पाक

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। शहर की प्रसिद्ध फूड ब्लॉगर श्वेता ईनाणी ने एक बार फिर अपने अभिनव अंदाज से घरेलू मिठाइयों को नया आयाम देते हुए हार्ट शेप खोपरा पाक तैयार किया है, जो देखने में जितना सुंदर है, स्वाद में उतना ही लाजवाब। रंग-बिरंगी परतों से सजा यह पारंपरिक खोपरा पाक आधुनिक अंदाज में बेहद आकर्षक रूप लेता है, और त्योहारों, पारिवारिक कार्यक्रमों तथा बच्चों की पसंदीदा डिश के रूप में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है।

श्वेता ईनाणी

श्वेता ईनाणी ने बताया कि इस मिठाई की खासियत इसकी सरल विधि, कम सामग्री और खूबसूरत प्रस्तुति है। नारियल का बुरादा, काजू पाउडर, मिल्क पाउडर, पिसी शक्कर, मलाई और थोड़ा-सा दूध मिलाकर इसका मुलायम मिश्रण तैयार किया जाता है, जिसे बाद में तीन हिस्सों में बांटा जाता है। एक हिस्सा सफेद रखा जाता है, जबकि दो हिस्सों में क्रमशः ऑरेंज और रेड फूड कलर मिलाकर उन्हें आकर्षक रूप दिया जाता है। तैयार मिश्रण को हाथों में हल्का घी लगाकर मोटी शीट की तरह फैलाया जाता है और हार्ट शेप कटर से दिल आकार की मिठाइयाँ तैयार की जाती हैं। रंगों की सुंदर परतें, नारियल की मनभावन खुशबू, काजू की rich fress और मिल्क पाउडर का टेस्ट इसे खास बनाता है। श्वेता के अनुसार यह मिठाई बिना अधिक मेहनत के कुछ ही मिनटों में तैयार हो जाती है और त्योहारों की थाली, स्वागत-मिष्ठान या गिफ्टिंग के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। पारंपरिक स्वाद को आधुनिक प्रस्तुति में ढालने की उनकी यह कला सोशल मीडिया पर भी खूब सराही जा रही है।

श्वेता ईनाणी का कहना है कि बच्चों से लेकर बड़ों तक हर कोई इस हार्ट शेप खोपरा पाक को बेहद पसंद करता है, और इसकी नर्म बनावट तथा आकर्षक रूप इसे घरों में बनने वाली डेलीकेसी की श्रेणी में शामिल कर रहे हैं। उदयपुर की युवा फूड क्रिएटर द्वारा पेश की गई यह अनोखी स्वीट डिश शहर में चर्चा का विषय बनी हुई है।

98.78 प्रतिशत फॉर्म डिजिटाइजेशन और 94 प्रतिशत मतदाता मैपिंग के साथ राजस्थान देशभर में पहले स्थान पर

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

जयपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार प्रदेश में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्क)झ2026 का कार्य प्रदेशभर में तेजी से और पारदर्शी ढंग से जारी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि अब तक प्रदेश के 5 करोड़ 46 लाख 56 हजार 215 गणना प्रपत्रों में से 5 करोड़ 39 लाख से अधिक प्रपत्र एउक्ठी३ पर अपलोड किए जा चुके हैं। यह 98.78 प्रतिशत उपलब्धि तय समय सीमा से पहले पूरी की गई है। उन्होंने बताया कि प्रदेश ने 94 प्रतिशत मतदाताओं की मैपिंग पूरी करके देशभर में पहला स्थान प्राप्त किया है। राजस्थान के लोहावट, बायतु, नगर, कपासन, सिकराय और सलूंबर विधानसभा क्षेत्रों में 99 प्रतिशत से अधिक मतदाता मैप हो चुके हैं, वहीं 16 विधानसभा क्षेत्रों में यह आंकड़ा 98 प्रतिशत से अधिक है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रदेश के 40,000 से अधिक मतदान केंद्रों पर बीएलओ ने 100 प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया है। पांच जिलों–बाड़मेर, सलूंबर, बालोतरा, झालावाड़ और फलोदी–में पूर्ण डिजिटाइजेशन कार्य संपन्न हुआ है, जबकि 48 विधानसभा क्षेत्रों में भी पूरा डिजिटाइजेशन हो चुका है।

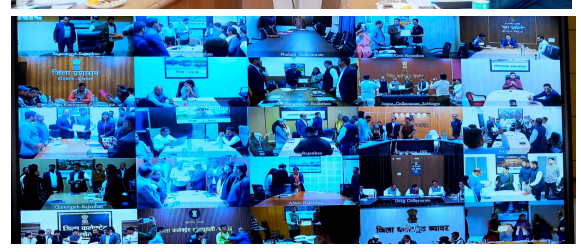

राज्य स्तर पर शानदार प्रदर्शन करने वाले बीएलओ और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को सम्मानित किया गया है। साथ ही, शत-प्रतिशत उपलब्धि हासिल करने वाले 188 बीएलओ सुपरवाइजर्स को भी मुख्य निर्वाचन अधिकारी की उपस्थिति में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

कानोड़ प्रवास के दूसरे दिन पवन जैन पदमावत ने किया 12वीं सदी के जैन तीर्थ का दर्शन, प्राचीन कला पर जताया आश्चर्य

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

कानोड़/उदयपुर । पदमावत मीडिया के प्रधान संपादक एवं एंटी करप्शन एंड क्राइम कंट्रोल कमेटी के मीडिया सेल के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन जैन पदमावत अपने दो दिवसीय कानोड़ प्रवास के दूसरे दिन ऐतिहासिक एवं प्राचीन जैन तीर्थ श्री आदेश्वर जैन श्वेताम्बर तीर्थ, राजपुरा (कानोड़) पहुँचे। यहाँ उन्होंने प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ के दर्शन कर क्षेत्र की सुख-शांति, धर्मप्रभावना और जनकल्याण की मंगलकामनाएँ कीं। इस दौरान कानोड़ से पदमावत मीडिया के संवाददाता दीपक शर्मा भी साथ में मौजूद रहे।

मंदिर परिसर में प्रवेश करते ही पवन जैन पदमावत का ध्यान 12वीं सदी में निर्मित कलाकृतियों की बारीकियों पर गया। दीवारों, स्तंभों, गुम्बदों और तोरणों पर की गई प्राचीन पत्थर नक्काशी को देखकर उन्होंने गहरा आश्चर्य व्यक्त किया। उन्होंने कहा इस युग में बिना किसी आधुनिक साधन के पत्थरों पर इतनी सूक्ष्म और सुन्दर नक्काशी करना अद्भुत कौशल का प्रतीक है। यह मंदिर केवल उपासना का स्थल नहीं, हमारी संस्कृति और शिल्पकला की अनमोल धरोहर है।

मंदिर के सहयोगियों ने पवन जैन पदमावत को तीर्थ के इतिहास, स्थापना वर्ष, प्राचीन घटनाओं, तीर्थ की महत्ता, साधु-साध्वियों के तप-साधना और मंदिर के विकास कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। पवन जैन पदमावत ने इस धरोहर के संरक्षण की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा इतिहास की पहचान ऐसे ही मंदिरों में सुरक्षित रहती है। समाज यदि एकजुट हो तो इस तीर्थ को विश्व स्तर पर भी पहचान दिलाई जा सकती है। उन्होंने मंदिर परिसर में सफाई, व्यवस्था, पर्यावरण एवं संरचनात्मक संरक्षण को लेकर भी सुझाव दिए और कहा कि प्राचीन धरोहरों को संरक्षित करना समाज का दायित्व है ताकि आने वाली पीढ़ियाँ भी हमारी संस्कृति से जुड़ सकें। दर्शन के दौरान पवन जैन पदमावत ने शांत, आध्यात्मिक और रामणीयरूप वातावरण का अनुभव किया। तीर्थ परिसर में व्याप्त शांति, प्राचीन वास्तुकला की भव्यता और धर्मभावना ने उन्हें विशेष रूप से प्रभावित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे पवित्र स्थलों का दर्शन जीवन में ऊर्जा और नई दिशा प्रदान करता है।

कानोड़ प्रवास का यह दूसरा दिन धर्म, संस्कृति, इतिहास और आध्यात्मिकता के अद्भुत संगम के रूप में यादगार बना।

स्कूल हेल्थ एंड वैलनेस प्रोग्राम

राज्य स्तरीय कार्यशाला में उदयपुर जिले की सराहना, एसआरजी तोषी सुखवाल सम्मानित

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। दुगार्पुरा, जयपुर स्थित होटल आर्किड में मंगलवार को आयोजित राज्य स्तरीय स्कूल हेल्थ एंड वैलनेस प्रोग्राम समीक्षा एवं कन्वर्जेंस कार्यशाला में उदयपुर जिले ने प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विशेष पहचान बनाई। आरएससीईआरटी उदयपुर द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में जिले के ग्राउंड लेवल प्रयासों, प्रशिक्षण गतिविधियों और नवाचारों की विस्तृत समीक्षा की गई, जिसमें उदयपुर का प्रदर्शन उल्लेखनीय पाया गया। डाइट उदयपुर की ओर से कार्यशाला में शामिल प्रधानाचार्य शीला काहाल्या ने जानकारी दी कि गिर्वा ब्लॉक के राजकीय सिंधी भाषायी उमावि प्रताप नगर की हैल्थ एंबेसेडर एवं एसआरजी तोषी सुखवाल ने पूरे उदयपुर जिले में कार्यक्रम के संचालन, पीयर पायलटिंग, ट्रेनिंग मॉडल, रेजिडेंशियल स्कूलों में नवाचार, मदरसा शिक्षकों के प्रशिक्षण, सीएचओ ट्रेनिंग तथा ग्राउंड लेवल बेस्ट प्रैक्टिसेज को बेहद प्रभावशाली पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुत किया। उनकी प्रस्तुति पर स्टेट प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर डॉ. आभा शर्मा, सीकों डिकॉन संस्था की प्रतिनिधि ललिता आमेटा, एनएचएम के डॉ. एस.एल. गुप्ता और यूएनएफपीए स्टेट हेड दीपेश गुप्ता ने उनकी भूरी-भूरी प्रशंसा की। उदयपुर जिले के उत्कृष्ट कार्यों के आधार पर एसआरजी तोषी सुखवाल को राज्य स्तर पर सम्मानित किया गया। आयोजन के दौरान डॉ. आभा शर्मा, डॉ. एस.एल. गुप्ता, दीपेश गुप्ता और सोशल जस्टिस विभाग के एडिशनल डायरेक्टर एस.आर. मीणा ने उन्हें स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

स्वत्वाधिकारी, संस्थापक, प्रकाशक एवं प्रधान सम्पादक : **पवन मॉंगीलाल जैन उर्फ पवन जैन पदमावत, प्रधान कार्यालय** : गणेश नगर, कांदिवली वेस्ट, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत - 400067 से अमुद्रित ऑनलाईन प्रकाशित। **मो. नं.** : +91-95945-42679
e-mail :- padmavatmedia@gmail.com / Web : padmavatmedia.in (नोट : पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुम्बई, महाराष्ट्र होगा। उक्त ई-पेपर को अवैध रूप से छपवाना कानूनी अपराध हैं।